COLLOC.

र्सं संत्र त्रोक्ष संस्य ग्रेका संस्य त्रोका ॰ to separate; to go separate ways • {BCA} prthaggamisyanti ৽ एास त्रेन गुरुग स्मान्य हिन्द संस्य स्थाप स्था

বেক্সুমা A বত্ৰীৰাপা বতীৰা ছিন

to raise; to lift up

colloc.:

ङ्गेर'বর্ট্যসাথ। স্ট্রিर'বস্তুসাথ। স্ট্রির'বস্তুসা • to climb up; to climb aboard • {TAL} aupariṣṭaka

त्र्रें न्। ॥ व्र्वना व्र्वना

to regret; to feel regret o (ku-\kṛt):

{LCh,L,MSA} kaukṛtya; (vi-prati-√sṛ): {C} vipratisārin; {MSA} vipratisāra; {KD} anuśaya; {AJM} anutāpa ⊳ ব্রুবে: ই্র্রাম্যান্ত্র্ ব্রোম্যান্ত্র ব্রোম্যান্ত্র ব্রোম্যান্ত্র বিষয়ে ব্রোম্যান্ত্র বিষয়ে বিষ

AUX.:

ਕਗੁੱਸ਼ ਪਸ਼ ਗ੍ਰੀ ∘ opt. to feel remorse ⊳ ਕਸ਼੍ਰੇ ਕਾ ਕਗੁੱਸ਼ ਪਸ਼ ਕੇ ਗੁੱਸ਼ੀ [You] should not feel remorse about this.

COLLOC .:

हैल.शु.तज्ञुन्। हेल.शु.तज्ञुन्। हेल.शु.तज्ञुन्। ॰ to regret in hindsight

त्याद्रा ॥ वर्गम्या वर्गमः।

to be satisfied; to be satiated • {MSA}

gananā

AUX.:

ব্যান্ত্রা If I go toward the realm of hungry ghosts, may that hunger and thirst be satiated!

त्य्व। VI त्यवा त्यवा त्यवा

to strive □ (\spardh): {KD} spardhate COLLOC.:

বেমুহা III বেমুহালা মহা

to spread out; to disperse

AIIY:

त्र्वा It is evident that abiding in this world, as well, is like running a race. {AAC}

हैता त्यायम। हैता गुर्यमा हैता त्याया ॰ to calculate; (lit.) to spread out pebbles

त्याया III वर्गमा वर्गमा

to come to dislike